प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास

पाषाण काल से 12वीं शताब्दी तक

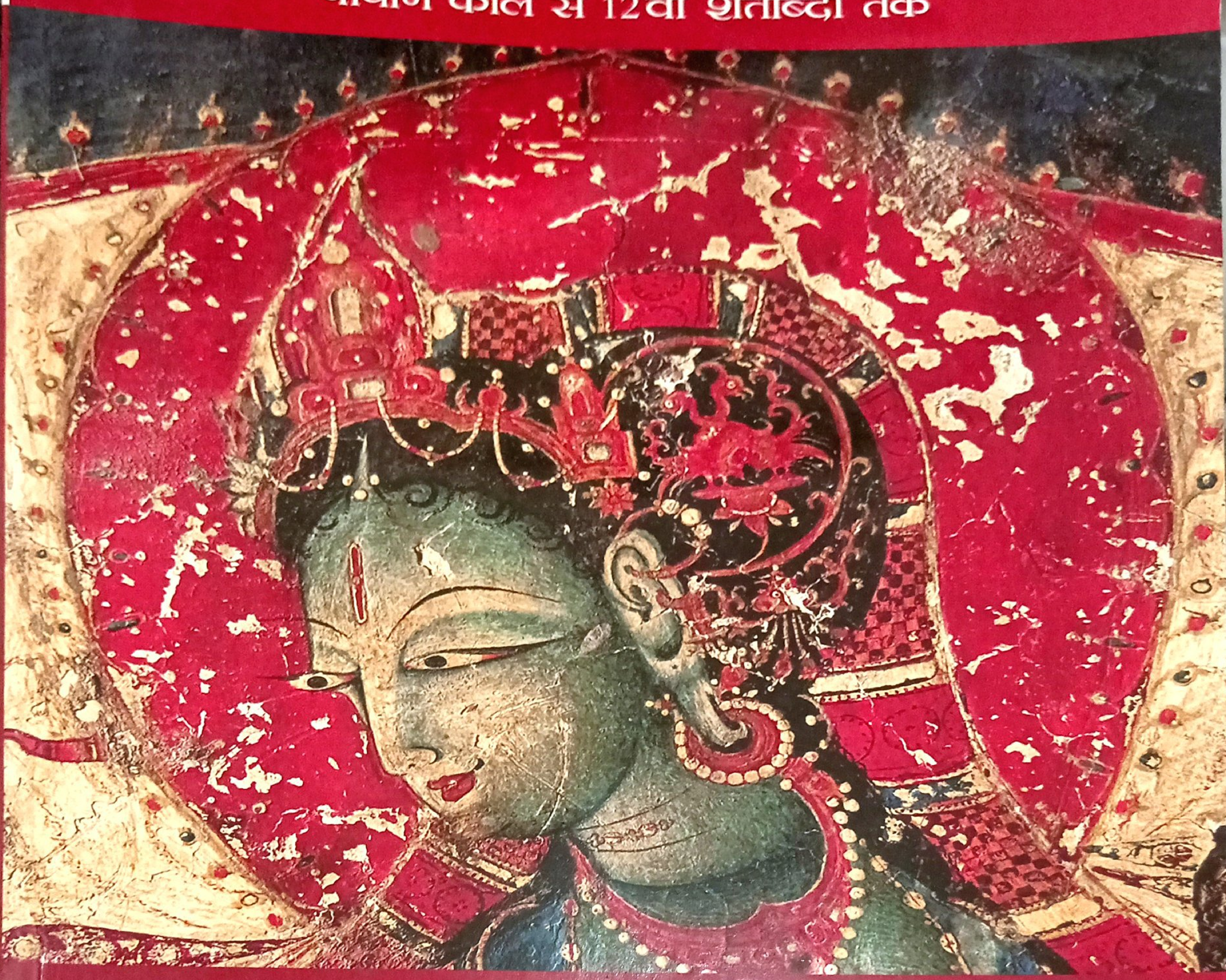

उपिन्दर सिंह

Pearson

Scanned by TapScanner

विषय सूची

फोटोग्राफ, मानचित्र एवं चित्र xvi
लेखिका परिचय xvii
प्राक्कथन xviii
अभिस्वीकृति xxvi
'प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन भारत का इतिहास' के पाठकों के लिए एक पथ प्रदर्शिका xxix

प्रस्तुतीकरण: प्रारंभिक भारतीय अतीत की अवधारणाएं 1

- भारतीय उपमहाद्वीप के प्रमुख भू-आकृतिक संगठन (The Main Physiographic Zones of the Subcontinent) 2
- भारतीय अतीत के विभाजन की रूप रेखा (Ways of Dividing the Indian Past) 3
- प्रारंभिक भारतीय इतिहास की बदलती व्याख्याएं (Changing Interpretations of Early Indian History) 6
- नवीन इतिहास लेखन और अलिखित इतिहास (New Histories, Unwritten Histories) 9

1
पाठ्यात्मक एवं पुरातात्त्विक स्रोतों की व्याख्या 11

इतिहास के दृष्टिकोण से प्राचीन पाठों का अध्ययन (Reading Ancient Texts from a Historical Point of View) 13

- प्राचीन तालपत्र पाण्डुलिपियाँ 14
- पाठ्यात्मक स्रोतों का वर्गीकरण: भाषा, शैली और विषय-वस्तु 15
- वेद 16
- संस्कृत के दो 'एपिक्स': रामायण और महाभारत 17
  - महाभारत का पुरातत्त्व 19
  - रामायण में अंतर्निहित कालानुक्रम 20
- पुराण 21
- धर्मशास्त्र 21
  - धर्मशास्त्र: व्यवहार और सिद्धांत 22
- बौद्ध ग्रंथ 23
  - बौद्ध भिक्षुणी गान 24
- जैन ग्रंथ 25
- संगम साहित्य तथा कालांतर का तमिल साहित्य 25
  - दो तमिल एपिक्स की कथावस्तु 27
- प्रारंभिक कन्नड़ तथा तेलुगु साहित्य 27
- कुछ अन्य प्राचीन पाठ, जीवन-चरित और इतिहास लेख 28
  - बाणभट्ट और उसकी राजकीय आख्यायिका 29
- प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन की प्रकृति 30
  - 'हिंदुओं' की लेखन कला पर अल-बरूनी की टिप्पणी 31
- विदेशी लेखकों के वृत्तांत 32

भारत का आरंभिक अतीत और पुरातत्त्व (Archaeology and the Early Indian Past) 33

- पुरातत्त्व में प्रयुक्त वैज्ञानिक तकनीक 36
  - रेडियो-कार्बन तिथि-निर्धारण 37
- पुरातात्त्विक सूचनाओं की व्याख्या 38
- नृजाति-पुरातत्त्व विज्ञान (एथ्नो-आर्कियोलॉजी) 39
  - तकनीक की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 40
- पुरातात्त्विक स्थलों का संरक्षण 41

पुरालेख शास्त्र: अभिलेखों का अध्ययन (एपिग्रफी) (Epigraphy: The Study of Inscriptions) 41

- प्राचीन एवं पूर्वमध्यकालीन लेख 41
- प्राचीन तथा पूर्वमध्यकालीन अभिलेखों की भाषा 43
- अभिलेखों का तिथि निर्धारण 43
  - गूढ़लिपियों का अर्थ निरूपण तथा अनसुलझी लिपियाँ 44
  - प्राचीन संवत् तिथियों का आधुनिक तिथियों में रूपांतरण 46
- अभिलेखों का वर्गीकरण 46
  - मृत्यु के पत्थरों में स्मृति 47
- इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेखों का उपयोग 48
  - एक प्राचीन नाट्यशाला, एक प्राचीन प्रेमकथा 49

मुद्रा शास्त्र: सिक्कों का अध्ययन (Numismatics: The Study of Coins) 50

- भारतीय सिक्कों का संक्षिप्त इतिहास 51
- इतिहास के स्रोत के रूप में सिक्कों का महत्त्व 54
  - क्षत्रप एवं सातवाहनों के प्रतिमुद्रित सिक्के 55
- निष्कर्ष 56

2
पुरापाषाण तथा मध्यपाषाण युगों के आखेटक-संग्राहक 57

भूवैज्ञानिक युग तथा हॉमिनिड विकास क्रम (The Geological Ages and Hominid Evolution) 59

- मानव होने का क्या तात्पर्य है? 62

Scanned by TapScanner

भारतीय उपमहाद्वीप में हॉमिनिड अवशेष
(Hominid Remains in the Indian Subcontinent) 63

पुरा जलवायु चक्र
(Palaeo Environments) 65

भारतीय पाषाणयुग का वर्गीकरण
(Classifying the Indian Stone Age) 66

पुरापाषाण युग
(The Palaeolithic Age) 67

- निम्न पुरापाषाण स्थल [illegible]
  - विशिष्ट निम्न पुरापाषाण कालीन औज़ार 68
  - इसामपुर: पत्थर के औज़ार बनाने का एक केंद्र 71
- मध्यपुरापाषाण युगीन स्थल [illegible]
  - लेवलवा तकनीक [illegible]
- उच्च पुरापाषाण युगीन पुरास्थल [illegible]
  - उच्च पुरापाषाण कालीन औज़ार [illegible]
- पुरापाषाण कालीन कला और संप्रदाय [illegible]
  - शुतुरमुर्ग के अंडों से बने मनके [illegible]
- पुरापाषाण युगीन आखेटक संग्राहक समुदायों का लोक-जीवन 79
  - खाद्य संसाधन तब और अब 80
  - माइक्रोलीथ (सूक्ष्म पाषाण औज़ार) 82

मध्यपाषाण युग
(The Mesolithic Age) 83

- मध्य-पुरापाषाण युगीन स्थल 83
  - मध्यपाषाण युगीन स्थलों में जानवरों की हड्डियां 84
  - कब्र, जीवन-निर्वाह और निवासीय प्रवृत्तियां 85
  - चैल्सेडनी पाप्त करने के लिए की गई यात्राएं 86
- मध्यपाषाण युगीन कला की उत्कृष्टता 92
- निष्कर्ष 93

3

खाद्य संग्रह से खाद्य उत्पादन की ओर: नवपाषाण, नवपाषाणीय-ताम्रपाषाण और ताम्रपाषाण गांवों का उदय ल. 7000 – 2000 सा.सं.पू. 95

नवपाषाण युग और खाद्य उत्पादन की शुरुआत
(The Neolithic Age and the Beginnings of Food Production) 97

पशुपालन और कृषि की शुरुआत
(Why Domestication?) 98

पुरातात्त्विक आकड़ों में पशुपालन और खाद्य उत्पादन के प्रमाण
(The Identification of Domestication and Food Production in the Archaeological Record) 100

- पुरातन पादप अवशेषों का विश्लेषण 101

भारतीय उपमहाद्वीप में खाद्यान्न उत्पादन की दिशा में संक्रमण
(The Transition to Food Production in the Indian Subcontinent) 102

- भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीनतम ग्रामीण बस्तियाँ ल. 7000-3000 सा.सं.पू. 103
  - पश्चिमोत्तर क्षेत्र 103
  - विंध्य शृंखला तथा अन्य क्षेत्र 111
- नवपाषाण, नवपाषाणीय-ताम्रपाषाण तथा ताम्रपाषाण समुदाय ल. 3000-2000 सा.सं.पू. 113
  - उत्तर और उत्तर पश्चिम क्षेत्र 113
    - क्या बुर्ज़होम के लोग गड्ढों में रहते थे? 114
  - राजस्थान 118
  - मालवा क्षेत्र 121
  - पश्चिमी दक्कन 122
  - मध्य गंगा मैदान और पूर्वी भारत 123
  - दक्षिण भारत 126
    - राख के टीलों का रहस्य 127
    - नवपाषाण बुदिहाल में सामुदायिक भोज 129

प्रारंभिक किसानों का जीवन
(The Life of Early Farmers) 131

उपासना, आस्था, धर्म और विश्वास
(Changes in Cultic and Belief Systems) 133

- स्त्री की प्रतिमाएं-साधारण महिला या आराध्य देवियां 134
- निष्कर्ष 134

4

हड़प्पा सभ्यता ल. 2600–1900 सा.सं.पू. 135

सभ्यता और नगरीकरण: परिभाषाएं तथा निहितार्थ
(Civilization and Urbanization : Definitions and Implications) 136

- चाईल्ड द्वारा निर्धारित नगरों के दस लक्षण 137

नए अनुसंधानों के आलोक में बदलते परिप्रेक्ष्य
(Recent Discoveries and Changing Perspectives) 139

Scanned by TapScanner

हड़प्पा, सिंधु या सिंधु सरस्वती सभ्यता?
(Harappan, Indus or Sindhu-Sarasvati Civilization?) *141*

उद्भव: आरंभिक हड़प्पा चरण का महत्त्व
(Origin: The Significance of the Early Harappan Phase) *142*

- विवरणवादी सिद्धांतों के साथ जुड़ी समस्याएं *143*

आरंभिक हड़प्पा तथा परिपक्व हड़प्पा चरण के बीच सम्बंध
(The Relationship Between the Early and Mature Harappan Phases) *149*

नगरीय हड़प्पा केंद्रों की सामान्य विशेषताएँ
(The General Features of Mature Harappan Settlements) *151*

हड़प्पा सभ्यता के नगर, उपनगर तथा ग्रामीण केंद्रों के पार्श्वचित्र
(Profiles of Some Harappan Cities, Towns and Villages) *153*

हड़प्पाकालीन जीवन-निर्वाह पद्धतियों की विविधता
(The Diversity of the Harappan Subsistence Base) *160*

- शिकारपुर से प्राप्त पशुओं की हड्डियां *162*

हड़प्पाकालीन शिल्प और तकनीक
(Harappan Crafts and Techniques) *163*

- पत्थर और धातु से अभिव्यक्त एक कलाकृति *167*
- कार्नेलियन के मनकों का निर्माण *169*

हड़प्पाकालीन व्यापार तंत्र
(Networks of Trade) *170*

- शोरतुघई–अफगानिस्तान में स्थित हड़प्पा सभ्यता का केंद्र *174*

लेखन की प्रकृति और उसकी उपयोगिताएं
(The Nature and Uses of Writing) *175*

धार्मिक तथा अंत्येष्टि व्यवहार
(Religious and Funerary Practices) *176*

- पशुपति-पुरुष, देवता या देवी *178*
- कालीबंगा की 'अग्निवेदिकाएं' *179*

हड़प्पा सभ्यता में रहने वाले लोग
(The Harappan People) *180*

- हड़प्पावासी कितने स्वस्थ थे? *181*

शासक और कुलीन वर्ग
(The Ruling Elite) *182*

- एक गण्य (स्टेट) की परिभाषा *183*
- एक पुरोहित राजा? *184*

नगरीय जीवन का पतन
(The Decline of Urban Life) *186*

उत्तर हड़प्पा चरण का महत्त्व
(The Significance of the Late Harappan Phase) *187*

- निष्कर्ष *189*

5

पाठ्यात्मक और पुरातात्त्विक स्रोतों में प्रतिबिम्बित सांस्कृतिक संक्रमण: ल. 2000–600 सा.सं.पू. *190*

पाठ्यात्मक स्रोतों से प्राप्त परिप्रेक्ष्य
(Perspectives from Texts) *192*

- इतिहास के स्रोत के रूप में वेदों का उपयोग *192*
  - ऋग्वेद की तिथि *193*
- इण्डो-आर्य कौन थे? *194*
- ऋग्वैदिक संहिता में प्रतिबिम्बित वैदिक संस्कृति *195*
- जनजातियाँ और युद्ध *195*
  - शस्त्रों को समर्पित ऋचाएं-ऋग्वेद संहिता (6.75) *196*
  - वंश, क्लैन, जनजाति *197*
- पशुचारण, कृषि तथा अन्य व्यवसाय *198*
- ऋग्वेद में 'वर्ण' *200*
- स्त्री, पुरुष और गृहस्थी *200*
  - परिवार व गृहस्थी *202*
- धर्म, देवताओं के लिए यज्ञ और अनुष्ठान *203*
  - इंद्र को समर्पित ऋचाएं–ऋग्वेद 2.12 *204*
  - सोम का पौधा और सोमरस *205*
- उत्तर वैदिक कालीन ग्रंथों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य *206*
  - ◆ दैनिक जीवन से जुड़े पहलू *206*
- राजतंत्र का उदय *207*
  - रत्न अर्पित करने का अनुष्ठान *209*
- वर्ण व्यवस्था *210*
  - पुरुष सूक्त (ऋग्वेद 10.90) *211*
- गृहस्थी और लिंगभेद *212*
- धर्म, अनुष्ठान और दर्शन *214*
  - ◆ ब्राह्मण ग्रंथों में वर्णित यज्ञ अनुष्ठान *214*
  - नासदीय ऋचा (ऋग्वेद 10.129) *214*
  - यज्ञ क्षेत्र की रंगभूमि *215*
  - ◆ उपनिषद् *215*

Scanned by TapScanner

- उद्घालक आरुणि के अनुसार, आत्मा 216
- विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अथर्ववेद के मंत्र 218
- जनसामान्य का धार्मिक व्यवहार 219

ल. 2000-500 सा.सं.पू. के बीच भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों का पुरातात्त्विक विवरण
(Archaeological Profiles of Different Regions of the Subcontinent, c2000-500 BCE) 219

- नवपाषाणीय-ताम्रपाषाण तथा ताम्रपाषाण संस्कृतियाँ 219
  - उत्तर पश्चिम और उत्तरी क्षेत्र 219
    - सिमेट्री-H मृद्भाण्डों पर मिथकीय प्रतीक चिन्ह 220
  - सिन्धु-गंगा विभाजन रेखा, ऊपरी गंगा नदी घाटी तथा दोआब क्षेत्र 222
    - उत्तर हड़प्पा चरण
    - मनौली का कब्रगाह 223
  - गैरिक मृद्भाण्ड संस्कृति 224
  - ताम्र संग्रह संस्कृति 227
    - तांबे की बनी मानव आकृतियाँ 229
    - दोआब क्षेत्र में काला और लाल मृद्भाण्ड (ब्लैक एण्ड रेड वेयर, BRW) संस्कृति का विकास 230
  - पश्चिमी भारत 230
    - काले और लाल मृद्भाण्ड 231
  - मध्य गंगा नदी घाटी क्षेत्र 233
  - पूर्वी भारत 235
  - उत्तर-पूर्वी भारत 237
  - मध्य भारत से प्राप्त सांस्कृतिक स्तर विन्यास 237
    - आहार संस्कृति 237
    - मालवा संस्कृति 238
  - दक्कन के ताम्रपाषाण कालीन कृषक 240
    - उत्तर हड़प्पा संस्कृति तथा मालवा की संस्कृतियाँ 240
    - दाइमाबाद की कांस्य मूर्तियां 243
  - दक्कन की जोर्वे संस्कृति 244
    - आहार, पौष्टिकता और स्वास्थ्य–इनामगांव 246
    - शीशविहीन देवियां 247
  - दक्षिण भारत के नवपाषाण-ताम्रपाषाण संस्कृति के स्थल 248
    - शैलचित्र 251
  - तांबे से लोहे की ओर–उपमहाद्वीप की प्रारंभिक लौह युगीन संस्कृतियाँ 253
  - भारतीय महापाषाणों से जुड़े तथ्यों का अवलोकन 255
  - उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र 258
  - सिंधु गंगा विभाजन क्षेत्र तथा ऊपरी नदी घाटी चित्रित धूसर मृद्भाण्ड संस्कृति 258
    - चित्रित धूसर मृद्भाण्ड या पेंटेड ग्रे वेयर (PGW) 261
  - राजस्थान में मिले साक्ष्य 262
  - मध्य गंगा नदी घाटी मैदान और निचली नदी घाटी का मैदान 262
  - मध्य भारत 263
  - दक्कन क्षेत्र 264
  - दक्षिण भारत 264
    - महापाषाण मानव आकृतियों का रहस्य 265
  - लौह-तकनीक का प्रभाव 268

पाठ्यात्मक स्रोतों की पुरातात्त्विक साक्ष्यों द्वारा संपुष्टि की समस्या
(The Problem of Correlating Literary and Archaeological Evidence) 269

- निष्कर्ष 270

6
ल. 600–300 सा.सं.पू. में उत्तर भारत: शहर, सम्राट और परिव्राजकों का युग 271

स्रोत-समीक्षा: पाठ और पुरातत्त्व
(The Sources: Literary and Archaeological) 273

- पाणिनि और उनका अष्टाध्यायी 274
- नॉर्दन ब्लैक पॉलिश्ड वेयर (NBPW) या उत्तरी कृष्ण मार्जित मृद्भाण्ड 275

सोलह महाजनपद
(The 16 Great States) 276

- तक्षशिला की खोज 280

गण अथवा संघ
(The Ganas or Sanghas) 281

- शाक्य और कोसल के बीच संघर्ष 282
- वस्सकार के द्वारा वज्जियों को पराजित करने के लिए बुद्ध से मांगी गयी सलाह 284

राजनीतिक संघर्ष और मगध साम्राज्य का उदय
(Political Conflicts and the Growth of the Magadhan Empire) 285

- मगध के प्रारंभिक राजवंशों का कालानुक्रम 286
- अजातशत्रु की बुद्ध से भेंट 287

ईरान और मेसीडोनिया का आक्रमण
(The Persian and Macedonian Invasions) 290

- मल्ल के किले पर आक्रमण 291

भूमि और कृषि का विस्तार
(Land and Agrarian Expansion) 292

गांवों से नगर की ओर: अतरंजीखेड़ा का एक उदाहरण
(From Village to Town: The Example of Atranjikhera) 293

Scanned by TapScanner

नगरीय जीवन का उदय
(The Emergence of City Life) [illegible]

- [illegible]

प्रारंभिक ऐतिहासिक नगरों के पाठ्यात्मक और पुरातात्विक संदर्भ
(Archaeological and Literary Profiles of Early Historical Cities) [illegible]

- ■ उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र [illegible]
- ■ सिंधु गंगा विभाजन क्षेत्र, ऊपरी गंगा नदी घाटी क्षेत्र और दोआब क्षेत्र [illegible]
- ■ मध्य और निचली गंगा नदी घाटी [illegible]
- ■ मध्य भारत तथा दक्कन क्षेत्र [illegible]

नगरों की गतिविधियां: शिल्प श्रेणी, संगठन और मुद्रा प्रणाली
(Urban Occupations, Crafts, Guilds, and Money) *304*

- – गहपति और सेट्ठी: नगरों में नए कुलीन वर्ग का उदय *306*

व्यापार और व्यापारी
(Trade and Traders) *306*

वर्ग, नातेदारी, वर्ण और जाति
(Class, Kinship, Varna and Caste) *309*

- – आपद्धर्म या विपत्ति काल में अपनाए जाने योग्य व्यवसाय *310*
- – वर्ण और जाति *312*

लिंग भेद, परिवार और गृहस्थी
(Gender, Family and Household) *314*

- – गृह्यसूत्रों के अनुसार, विवाह संस्कार *317*

अपरिग्रह धर्म और यति परंपराएं
(The Renunciatory Tradition) *319*

- – सामन्नफल सुत्त *321*

आजीविक
(The Ajivikas) *321*

प्रारंभिक बौद्ध धर्म
(Early Buddhism) *322*

- ■ बुद्ध की जीवनी *322*
- ■ बुद्ध की शिक्षा *323*
  - – बेड़े की उपमा *325*
- ■ बौद्ध संघ और सामान्य उपासक *326*
- ■ बुद्ध की शिक्षाओं का सामाजिक प्रभाव *328*
  - – अम्बट्ठ सुत्त *329*
- ■ बौद्ध धर्म और स्त्री [illegible]
  - – [illegible]
  - – [illegible]
  - – [illegible]

प्रारंभिक जैन धर्म
(Early Jainism) [illegible]

- ■ वर्द्धमान महावीर और अन्य जैन तीर्थंकर [illegible]
- ■ यथार्थ के विषय में जैन दर्शन [illegible]
- ■ जैन अनुशासन [illegible]
  - – एक मुक्त मनुष्य [illegible]
  - – पृथ्वी निकायों की हत्या न करने का उपदेश [illegible]
- ■ जैन मुनियों एवं अयाजकों की सामाजिक पृष्ठभूमि [illegible]
  - – सच्चा ब्राह्मण [illegible]
  - – मल्ली या मल्लीनाथ? *340*
- ■ निष्कर्ष *340*

7
राजसत्ता और धम्मसत्ता—मौर्य साम्राज्य: ल. 324–187 सा.सं.पू. *341*

मौर्य काल के प्रमुख स्रोत
(The Major Sources for the Maurya Period) *343*

- ■ कौटिल्य का अर्थशास्त्र *343*
  - – अर्थ में प्रयुक्त शब्दों की पुनरावृत्ति के आधार पर सांख्यिकीय विश्लेषण *344*
- ■ मेगस्थनीज की इण्डिका *345*
  - – मेगस्थनीज के विषय में ग्रीक लेखकों की धारणा *346*
- ■ अशोक का अभिलेख *348*
  - – अशोक के अभिलेखों की विविध श्रेणियां और उनकी भौगोलिक स्थिति *349*
  - – महास्थान तथा सोहगौरा अभिलेखों में आपदा नियंत्रण के प्रशासनिक संदर्भ *351*
- ■ पुरातात्त्विक प्रमाण और सिक्के *351*
- ■ मौर्य वंश *352*
  - – अशोक से जुड़ी कथाएं *355*
  - – कनगनहल्ली से प्राप्त अशोक की प्रस्तर प्रतिमा *356*
- ■ पाठ्यात्मक एवं पुरातात्त्विक प्रमाणों पर आधारित नगरीकरण का पार्श्व चित्र *357*
  - – पाटलिपुत्र और पाटलिपुत्र का राजमहल: एरियन तथा एलियन *358*

ग्राम्य और नगरीय जीवन की एक झलक
(Some Aspects of Rural and Urban Life) *362*

Scanned by TapScanner

मौर्य साम्राज्य की संरचना और प्रकृति
(The Nature and Structure of the Maurya Empire) 364
- कौटिल्य प्रस्तावित राजा की दिनचर्या 366
- मेगास्थनीज के अनुसार, राजा का जीवन (स्ट्राबो के माध्यम से) 368
- शिलालेख संख्या 6 (गिरनार संस्करण) 369
- मौर्य राज्य और वनवासी 372

अशोक और बौद्ध धर्म
(Ashoka and Buddhism) 374
- लघु शिलालेख (रूपनाथ संस्करण) 374

अशोक का धम्म
(Ashoka's Dhamma) 376
- पांचवां शिलालेख (दिल्ली तोपरा स्तंभ) 377
- 13वां शिलालेख (शाहबाजगढ़ी संस्करण) 378
- अशोक द्वारा अपनी सफलता का मूल्यांकन: शर-ए-कुना ग्रीक-अरामेइक अभिलेख 380

मूर्तिकला, वास्तुकला एवं स्थापत्य
(Sculpture and Architecture) 382
- चुनार की प्राचीन और आधुनिक खानें 384
- अशोक के शिलालेख का मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास 386
- देउरकोठार में अशोक के एक स्तूप की खोज 390
- परखम यक्ष: तब और आज 391

मौर्य साम्राज्य का पतन
(The Decline of the Maurya Empire) 392
- निष्कर्ष 393

8
अभिनव परिवर्तन व पारस्परिक प्रभाव: ल. 200 सा.सं.पू. – 300 सा.सं. 394

उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास
(The Political History of North India) 398
- शुंग 398
  - हेलियोडोरस का बेसनगर स्तंभ अभिलेख 398
- इन्डो-ग्रीक 400
  - इंडो-ग्रीक शासकों द्वारा निर्गत सिक्के 401
- शक-पह्लव या सीथो-पार्थियन 402
- कुषाण 403
  - खातक अभिलेख 405

पश्चिम भारत के शक क्षत्रप
(The Shaka Kshatrapas of Western India) 406
- एक झील, एक तूफ़ान और एक सम्राट 407

दक्कन में सातवाहनों का साम्राज्य
(The Satavahana Empire in the Deccan) 409
- नानेघाट की शाही छविचित्रों की एक दीर्घा 410

सुदूर दक्षिण के राजे रजवाड़े: चेर, चोल और पांड्य
(King and Chieftains in the Far South: The Cheras, Cholas and Pandyas) 413
- शाही ढोल 415

गाँव और शहर
(Villages and Cities) 417
- संघोल से प्राप्त वनस्पतिक अवशेष 418
- उत्तर-पश्चिम के नगर 419
- सिंधु-गंगा विभाजन रेखा और ऊपरी गंगा नदी घाटी 420
- मध्य और निचली गंगा नदी घाटी तथा पूर्वी भारत 424
  - चन्द्रकेतुगढ़ 426
- मध्य और पश्चिमी भारत 427
- दक्कन के नगर और नगरीय क्षेत्र 428
- सुदूर दक्षिण के प्रारंभिक ऐतिहासिक नगर 429
  - मदुरईक्कांची में मदुरई 433

शिल्प और श्रेणी संगठन
(Crafts and Guilds) 434
- बैंकर की भूमिका में श्रेणीसंगठन 436

व्यापार और व्यापारी
(Trade and Traders) 437
- यात्राओं के प्राचीन संदर्भ 438
- लंबी दूरी का व्यापार 440
  - पट्टिनपल्लई में वर्णित कावेरीपट्टिनम 440
- पूर्वी तथा दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ व्यापार 441
- इण्डो-रोमन व्यापार 444
  - पेरिप्लस मारीस एरिथ्रई (एरिथ्रियन सागर का पेरिप्लस) 445
  - अरिकामेडु में किए गए अद्यतन पुरातात्त्विक उत्खनन 447
- वाणिज्य और व्यवसायियों की वृहत्तर भूमिका 449

उत्तर भारत और दक्कन में सामाजिक परिवर्तन: वर्ण, जाति और लिंग भेद
(Aspects of Social Change in North India and the Deccan: Varna, Caste, Gender) 450
- सामाजिक इतिहास के स्रोत के रूप में जातक कथाएं 453

Scanned by TapScanner

दक्षिण भारत का प्रारंभिक ऐतिहासिक समाज
(Society in Early Historical South India) 454

- तमिल का एक पुरातन प्रणय गीत 456
- एक वीर की मौत 457

दर्शन का विकास: आस्तिक और नास्तिक विचारधाराएं
(Philosophical Developments: Astika and Nastika Schools) 458

- भगवद्गीता 461

वादों के दायरे से परे धर्मों के इतिहास का अध्ययन
(Looking at the History of Religions Beyond the Framework of 'ISMS') 462

- यक्ष और यक्षी, नाग और नागी लोकप्रिय उपासना 463
- मातृ देवियाँ, देवस्थल और मनौती कुण्ड 464
- वैदिक कर्मकाण्ड 465
- पुराणों पर आधारित हिंदू धर्म 466
- शैव धर्म 467
- वैष्णव पंथ का विकास 469
  - अगथॉक्लीस के सिक्कों पर कृष्ण तथा बलराम 471
- शक्ति की उपासना 473
- बौद्ध धर्म में महायान का उद्भव 473
  - ग्रंथों में वर्णित संघ एवं उपासकों का जीवन बनाम अभिलेखीय साक्ष्य 476
- जैन धर्म में दिगम्बर और श्वेताम्बर मत विभाजन 477

धार्मिक स्थापत्य और प्रतिमाशास्त्र
(Religious Architecture and Sculpture) 479

- प्रारंभिक हिन्दू मन्दिर और प्रतिमाएं 479
- बौद्ध स्थापत्य और मूर्तिकला 482
- उत्तर-पश्चिम के स्तूप विहार 483
- मध्य भारत के स्तूप साँची और भारहुत 484
- आंध्रप्रदेश के स्तूप 487
- बौद्धस्तूपों की प्रारम्भिक उद्भृत नक्काशी (रिलीफ कार्विंग) 489
- पश्चिमी घाट की गुफाओं में बौद्ध वास्तु कला 491
- उदयगिरि और खण्डगिरि की जैन गुफाएं 495
- गांधारशैली की प्रतिमाएं 496
- विदिशा और मथुरा की प्रारम्भिक शैल प्रतिमाएं 499
- टेराकोटा कला 501
  - प्राचीन गंधार में जलघटों की दान परंपरा 502
- धार्मिक संस्थानों को मिलने वाले संरक्षण का स्वरूप 503
  - बांधोगढ़ के पवित्र दान अभिलेख 504
- निष्कर्ष 507

9

सौन्दर्य बोध और साम्राज्य: ल. 300-600 सा.सं. 508

राजनीतिक इतिहास
(Political History) 511

- गुप्त राजवंश 511
  - क्या रामगुप्त का अस्तित्व था? 516
  - चंद्र का अभिलेख और एक स्तंभ से जुड़ी अनुश्रुतियां 518
- दक्कन के वाकाटक 519
  - राजमाता का एक अनुदान 520
- प्रायद्वीपीय भारत के अन्य राजवंश 521

गुप्त और वाकाटक राज्यों की प्रशासनिक संरचना
(The Administrative Structure of the Gupta and Vakataka Kingdoms) 522

- एक पुरातन पंचायत? 524

राज्यों के राजस्व स्रोत
(Revenue Resources of States) 526

भूमि का स्वामित्व
(Land Ownership) 528

भूमि के प्रकार, भूमि का माप और काश्तकारी की अवधि
(Types of Land, Land Measures and Land Tenure) 530

राजकीय भूमि अनुदान
(Royal Land Grants) 531

- वाकाटक भूमि अनुदानों में उल्लिखित शर्तें 533

नगरीकरण के इतिहास की रूप रेखा
(Patterns of Urban History) 534

- एक नागरक की जीवनशैली 536

शिल्प उत्पादन, श्रेणी संगठन और व्यापार
(Craft Production, Guilds and Trade) 538

लिंग भेद, श्रम के प्रकार, दास प्रथा तथा अस्पृश्यता: सामाजिक संरचना के कुछ पहलू
(Aspects of Social Structure: Gender, Forms of Labour, Slavery and Untouchability) 542

Scanned by TapScanner

[illegible] 545
– संस्कृत काव्य में गणिका और कुलटा 546

धार्मिक विकास की रूप रेखा
(Patterns of Religious Developments) 548

– [illegible] की गुफाओं में हरि हर 549
- ■ तंत्रवाद का अभ्युदय 550
- ■ वैष्णव देवकुल का विकास 551
- ■ शिववाद या शैव धर्म 553
  – [illegible] की गुफाओं में महादेव 554
- ■ महादेवी का संप्रदाय 555
- ■ अन्य देवी-देवताओं की उपासना 556
- ■ बौद्ध धर्म 559
  – कुमारजीव 343–413 सा.सं. 563
- ■ जैन धर्म 565

कला का एक क्लासिक युग ?
(A Classical Age of Art?) 567

- ■ धार्मिक स्थापत्य 568
  – पृथ्वी की उद्धारकर्त्ता विष्णु 574
- ■ मूर्तिकला 575

संस्कृत साहित्य
(Sanskrit Literature) 578

– मेघदूत 579
– नाट्यशास्त्र 580

गणित और खगोल शास्त्र
(Astronomy and Mathematics) 582

– प्राचीन गणितीय तथा चिकित्सीय पाण्डुलिपियां 583

चिकित्सीय ज्ञान
(Medical Knowledge) 584

– चरक के अनुसार आदर्श अस्पताल 585
- ■ निष्कर्ष 587

10
उभरता क्षेत्रीय विन्यास: ल. 600–1200 सा.सं.पू. 588

पाठ्यात्मक और पुरातात्त्विक स्रोत
(Sources, Literary and Archaeological) 590

– वांग श्वांस के भारतीय मिशनों से सम्बंधित नए प्रमाण 592

राजनीतिक आख्यान और राजनीतिक संरचना
(Political Narrative and Political Structure) 591

– ओडिशा के अभिलेखों में आदर्श शासक की छवि 593
– महादेवी, एक महिला राजा 593
- ■ दक्कन 596
  – पुलकेशिन का ऐहोले अभिलेख 597
- ■ सुदूर दक्षिण 600
  – तंजावुर मंदिर का धार्मिक और राजनीतिक प्रतीकवाद 603
- ■ उत्तर भारत: पुष्यभूति, हर्षवर्धन 605
  – ह्वेन त्सांग का जीवन और उनकी यात्राएं 606
- ■ पूर्वी भारत 608
  – ओडिशा के राजवंशों की उत्पत्ति से जुड़े मिथक 610
- ■ राजपूत वंश 611
  – गाथाओं और अभिलेखों में तोमर तथा दिल्ली 614
- ■ कश्मीर और उत्तर-पश्चिम क्षेत्र 615
  – दिद्दा 616

राजकीय भूमि अनुदान
(Royal Land Grants) 617

- ■ ब्राह्मण अनुदान प्राप्तकर्ता 618
- ■ ब्रह्मदेय बस्तियों का स्वरूप 620
  – कर-शासन और क्रय-शासन 621
- ■ ब्रह्मदेयों का कृषि सम्बंधों पर प्रभाव 623
- ■ वृहत्तर सामाजिक और सांस्कृतिक प्रक्रियाओं के अंतर्गत भूमि अनुदानों की भूमिका 623

ग्रामीण समाज: क्षेत्रीय विशिष्टताएं
(Rural Society: Regional Specificities) 625

– पूर्व मध्ययुगीन बंगाल की कृषि संबंधित प्रचलित लोकोक्तियां 626

पूर्व मध्यकालीन भारत में नगरीकरण की प्रक्रियाएं
(Urban Processes in Early Medieval India) 628

पूर्व मध्ययुगीन दक्षिण भारत में ऐतिहासिक प्रक्रियाएं
(Historical Processes in Early Medieval South India) 632

- ■ दक्षिण भारतीय राज्यों का स्वरूप 632
  – साउथौल और स्टाईन के अनुसार विखंडित राज्य की अवधारणा 633
- ■ प्रशासनिक संरचनाएं 634
- ■ ग्रामीण समाज 635
  – कर्नाटक के एक गांव का इतिहास 637
  – प्रारंभिक मध्ययुगीन तमिलनाडु के सिंचाई यंत्र 639
- ■ कृषि और सिंचाई 640
- ■ नगरीकरण की प्रक्रियाएं 640
  – पान-पत्ता और सुपारी 641

Scanned by TapScanner

- पूर्व मध्यकालीन [illegible] [illegible]
- ■ व्यापार और व्यापारी [illegible]
  - [illegible] और [illegible] [illegible]

धार्मिक परिदृश्य
(The Religious Sphere) [illegible]

- ■ पूर्व मध्ययुग में बौद्ध धर्म [illegible]
  - [illegible] [illegible]
  - तारा [illegible]
- ■ जैन धर्म के प्रमुख केंद्र [illegible]
  - श्रवण बेलगोला में गोम्मटेश्वर की विशाल प्रतिमा [illegible]
- ■ शंकर और अद्वैत वेदांत [illegible]
- ■ हिन्दू सम्प्रदाय [illegible]
- ■ वैष्णववाद और शैववाद 656
  - ऐहोल का दुर्गा मंदिर [illegible]
  - महिषासुरमर्दिनी के रूप में देवी 658
- ■ शाक्त सम्प्रदाय [illegible]
- ■ दक्षिण भारतीय भक्ति आलवार तथा नायनमार 661
  - नायनमार संत अप्पर के गीत 663
  - आंडाल के गीत 664
  - कारइक्काल अम्मइयार—उनका जीवन और उनके गीत 665
- ■ दक्षिण भारतीय भक्ति और कालांतर में हुए विकास का दार्शनिक आधार 666

- [illegible] [illegible]
- ■ मंदिरों को [illegible] [illegible]
  - [illegible] मंदिर की [illegible] [illegible]

पूर्व मध्यकालीन स्थापत्य और मूर्तिकला
(The Architecture and Sculpture of Early Medieval India) 669

- ■ मंदिर स्थापत्य की [illegible] और [illegible] शैलियाँ 669
- ■ पश्चिमी भारत और दक्कन [illegible]
  - [illegible] पूर्व मध्यकालीन [illegible] की [illegible] 676
- ■ पल्लव राज्य [illegible]
- ■ चोल मंदिर [illegible]
- ■ चोल कालीन धातु मूर्तिकला [illegible]
  - [illegible] की प्रतिमाओं का [illegible] विश्लेषण [illegible]
- ■ निष्कर्ष [illegible]

लिप्यंतरण तालिका (A Note on Diacritics) 691
पारिभाषिक शब्दावली (Glossary) 693
अतिरिक्त पाठ्य सामग्री (Further Readings) 699
संदर्भ ग्रंथ सूची (References) 707
अनुक्रमणिका (Index) 721
आधार सूची (Credits) 731

Scanned by TapScanner